भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3687
बुधवार, 18 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

कृषि मौसम विज्ञान परामर्शी सेवाएं

†3687. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियन:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) इस देश में कृषि मौसम विज्ञान परामर्शी सेवाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) क्या नीति आयोग द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार सरकार की जिला कृषि मौसम विज्ञान इकाइयों (डीएएमयू) का निजीकरण करने की योजना है;
(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में जिन विशिष्ट अध्ययनों अथवा आंकड़ों पर विचार किया गया है, उनका ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार द्वारा छोटे किसानों पर इसके प्रभावों को समझने के लिए कोई अध्ययन कराया जा रहा है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) – (घ) भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) आदि के सहयोग से मौजूदा 130 कृषि-मौसम विज्ञान क्षेत्र इकाइयों के माध्यम से ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के तहत किसानों को मौसम पूर्वानुमान आधारित कृषि- परामर्शी सेवाएं प्रदान कर रहा है। कृषि-मौसम विज्ञान क्षेत्र इकाइयां अपने-अपने जिलों के लिए कृषि परामर्शिकाएं तैयार करती हैं और उन्हें मास मीडिया, मोबाइल ऐप, एसएमएस आदि सहित विभिन्न तरीकों से प्रसारित करती हैं।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

*****